खबरें जो रखती हैं, आपसे सरोकार

जागेश्वर न्यूज

प्रसारित क्षेत्र : पीलीभीत, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, लखनऊ एवं उत्तराखण्ड

वर्ष :05 अंक : 190 बरेली से प्रकाशित गुरूवार 31 जुलाई, 2025 पृष्ठ 04 मूल्य 2.25 रूपया E-MAIL : JAGESHWARNEWS@GMAIL.COM

योगी ने सपा पर साधा निशाना

2017 से पहले न कर्फ्यू खुलता था न व्यवसाय:सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आज को युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया। यूपी मार्ट नामक डिजिटल पोर्टल की भी शुरूआत की। इस दौरान एमएसएमई विभाग का तीन सरकारी संस्थानों और 14 शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सूक्ष्म और लघु उद्योग 2017 से पहले भी थे, लेकिन उस समय की सरकार इसके महत्व को समझ नहीं पाई। इन्हें बंद कराने का प्रयास किया। सपा का नाम लिए बगैर कहा कि जिनकी सोच परिवार तक सीमित हो वो लाखों युवाओं के बारे में कैसे सोचेंगे? 2017 के पहले लोग चीन का सामान खरीदते थे। यानी पैसा हमारा होता था और मुनाफा चीन को होता था। फिर वही पैसा देश से बाहर चला जाता था। आज अगर कोई सामान बिकता है, तो वह एक जिला एक उत्पाद का बिकता है। यानी मुनाफा भी हमारा और पैसा भी हमारे देश में रहता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार में राज्य में हर तीसरे दिन दंगा होता था। सवेरा गुंडागर्दी से होता था। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं था, तो उसकी पूंजी क्या सुरक्षित रहेगी? कोई उद्यमी आता नहीं था। जो था वो पलायन करने के लिए मजबूर था। यह उत्तर प्रदेश की 2017 के पहले की तस्वीर है। महीनों-महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। ना कर्फ्यू खुलता था ना व्यवसाय होता था। पिछली सरकारों की अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार ने सूक्ष्म और लघु उद्योगों को तोड़ दिया था। इस वजह से बड़ी संख्या में इन उद्योगों का पलायन हुआ। कारीगर हतोत्साहित हुए। वे दूसरा काम ढूंढ़ने लगे। हमारी सरकार बनी। हमने उन्हें प्रोत्साहित किया। एक जिला एक उत्पाद योजना शुरू की, जो आज पूरे देश में एक ब्रांड बनी है। आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन चुकी है। इसके बारे में प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं वोकल फिर लोकल। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार देने वाला कोई क्षेत्र है तो वह एमएसएमई सेक्टर है। उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ के आसपास किसान हैं और अकेले एमएसएमई सेक्टर में पौने दो करोड़ लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। खेती के लिए सरकार का अगर प्रोत्साहन बंद हो जाए तो 3 करोड़ परिवार प्रभावित होते हैं। तीन करोड़ परिवार का मतलब 15 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। अगर पौने दो करोड़ एमएसएमई से जुड़े हैं, तो लगभग 5 करोड़ लोग होते हैं। इसलिए हमने एक जिला एक उत्पाद लॉन्च किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ युवा नकल करने का प्रयास करते हैं। किसी को कोई काम करता देखकर वो भी वही काम करने लगते हैं। उन्हें उस काम की जानकारी नहीं होती है और न ही स्टेट या सेंट्रल गवर्नमेंट की स्कीम की जानकारी होती है। फिर वो बिना ट्रेनिंग के लोन लेते हैं। कर्ज बढ़ने लगता है फिर वो पलायन करने की सोचते हैं, तब तक बहुत देर हो जाती है। ऐसे युवाओं का इस कॉन्क्लेव में जानकारियां मिलेंगी। मुख्यमंत्री यूपी मार्ट पोर्टल को लॉन्च किया। यह पोर्टल युवाओं को मशीनरी और संसाधनों के ऑनलाइन सप्लायर्स नेटवर्क से जोड़ने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म होगा, जहां उद्यमी मशीनरी खरीदने, ब्रांड्स से जुड़ने और अपने व्यवसाय की शुरूआत के लिए जरूरी संपर्क बना सकेंगे। इसमें स्टार्टअप, एमएसएमई प्रतिनिधियों, युवा उद्यमियों, स्किल ट्रेनिंग संस्थाओं, सरकारी योजनाओं से जुड़े अफसरों और बैंक प्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी। यह एक्सपो युवाओं को न केवल मोटिवेट करेगा, बल्कि उन्हें व्यवसायिक अवसरों से जोड़ने का मंच भी प्रदान करेगा। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि यूपी दिवस के मौके पर सीएम योगी में सीएम युवा योजना लॉन्च की थी। 6 लाख से अधिक आवेदन हमारे पोर्टल पर आए। 68000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ते हुए 2000 करोड़ से अधिक का ऋण दिया गया। पीएम मोदी का सपना युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं देने वाला बनाना है। आज युवा खुद अपनी कामयाबी की गाथा बता रहे हैं। साढ़े 7 लाख से ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरी दी गई। सीएम युवा योजना के तहत 5 लाख तक बिना गारंटी के पैसा उपलब्ध कराया जा रहा है।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे:नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में मानसून सत्र का आज 8वां दिन है। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा हम पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाए। खून-पानी एक साथ नहीं चलेगा। गृह मंत्री अमित शाह संसद में समापन भाषण दे सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बहस मंगलवार को जबकि लोकसभा में शुरू हुई थी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, जेडीयू सांसद संजय कुमार झा सहित कई सांसदों ने भाग लिया। खड़गे ने कहा लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना। वे (मोदी) जवाब नहीं देंगे, वे अपने दोस्तों-मंत्रियों से कहेंगे कि जाओ जो कहना है कहो। 11 साल में कभी बहस में शामिल नहीं होते। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो।

फास्ट न्यूज

लद्दाख में सेना के वाहन पर चट्टान गिरने से एक अधिकारी और दो जवान शहीद

लेह (एजेंसी)। लद्दाख के दुरबुक इलाके में भारतीय सेना की एक गाड़ी के ऊपर अचानक चट्टान गिर गई। इस हादसे में एक अधिकारी और दो जवान शहीद हो गए हैं, जबकि एक अधिकारी और दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि लद्दाख के दुरबुक क्षेत्र में एक कार पर चट्टान गिरने से एक अधिकारी समेत कम से कम चार से पांच भारतीय सैन्यकर्मी घायल हो गए हैं। यह घटना बुधवार सुबह लगभग 11.30 बजे हुई। बचाव कार्य जारी है और घायल सैनिकों को सहायता प्रदान की जा रही है। लद्दाख में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश और बर्फबारी के कारण इस क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ गई है। कुछ दिन पहले भी इसी तरह की एक दुर्घटना हुई थी, जिसमें दो लोग घायल हुए थे।

जयशंकर का विपक्ष को करारा जवाब

कान खोलकर सुन लें, 22 अप्रैल से 16 जून तक पीएम मोदी-ट्रंप में कोई बातचीत नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में बुधवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की विदेश और रक्षा नीति पर विपक्ष के सवालों का करारा जवाब दिया। जयशंकर ने कहा कि भारत ने निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक कार्रवाई की और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया के किसी भी नेता ने भारत पर दबाव नहीं डाला। इसी दौरान विदेश मंत्री जब संसद में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जवाब दे रहे थे, तभी विपक्षी नेता हंगामा करने लगे। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं को टोकते हुए कहा, मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक बार भी प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि अमेरिका, सऊदी अरब और अन्य देशों से जो भी संवाद हुआ, वह पूरी तरह पारदर्शी और रिकॉर्ड

में है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान यदि संघर्ष विराम चाहता है, तो उसे हमारे डीजीएमओ चौनल से संवाद करना होगा। चीन और पाकिस्तान को लेकर विपक्ष पर हमला बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत की कूटनीतिक सफलता इस बात से साबित होती है कि यूएनएससी में भारत भले ही स्थायी सदस्य न हो, लेकिन सुरक्षा परिषद प्रमुख का बयान भारत के पक्ष में आया। रूस सहित कई देशों ने भारत का समर्थन किया। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, जो लोग मुंबई हमलों पर चुप रहे थे, आज वे हमें ज्ञान दे रहे हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारतीय सेना को किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है और उसने आतंकियों के ठिकानों पर खुद ही सफलतापूर्वक कार्रवाई की है। उन्होंने नूर खान एयरबेस सहित कई आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर की गई तबाही का जिक्र करते हुए कहा कि सेना का श्रेय किसी और को देना उसका अपमान होगा।

सीट शेयरिंग को लेकर हो सकती है चर्चा

बिहार में महागठबंधन की बैठक शुरू

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। इसे लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपनी रणनीतियां बनाने में जुट गई हैं। इस बीच, बुधवार को महागठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक शुरू हो गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कहते हैं कि इंडिया गठबंधन समन्वय समिति की बैठक में आगे की रणनीतियों पर चर्चा होगी। हम लोग सारे मुद्दों पर बात करेंगे। सीट शेयरिंग को लेकर भी चर्चा हो सकती है। उन्होंने दावे के साथ कहा कि महागठबंधन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी के हम के साथ आने पर कहा कि डरे, सहमे लोग हमारे मजबूत सहयोगी को साथ आने का ऑफर देते रहते हैं, लेकिन कहीं कोई

बात नहीं है। कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि बैठक में सभी विषयों पर चर्चा होगी। कांग्रेस की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि सभी दलों की अपनी मांग होती है। मिलजुलकर हम लोग सभी बातों पर चर्चा करेंगे। चुनावी गतिविधियों को लेकर बैठक में चर्चा उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक बराबर हो रही है। चुनावी गतिविधियों को लेकर इस बैठक में चर्चा होगी। आगे कैसे बढ़ेंगे, उस पर भी निर्णय होगा। सीट बंटवारे सहित आगे की रणनीतियों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर यह निर्णय है कि गठबंधन 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जो भी उम्मीदवार जिस सिंबल से लड़ेगा, सभी दल के कार्यकर्ता उसके लिए काम करेंगे। राजद के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने मुकेश सहनी के ऑफर को लेकर कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। सभी लोग एकजुट हैं। उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन की इस बैठक में कई विषयों को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है। घटक दलों की कई बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अब तक मुख्यमंत्री के उम्मीदवार को लेकर घोषणा नहीं की गई है।

पप्पू यादव ने आशा-ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की टाइमिंग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाए जाने की टाइमिंग पर सवाल उठाया है। पप्पू यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि आखिर मुख्यमंत्री ने अभी ही क्यों आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का फैसला किया है? अगर आप लोगों को आशा कार्यकर्ताओं की इतनी ही फिक्र है, तो इन लोगों को नियमित क्यों नहीं कर देते हैं? उन्होंने दावा किया कि यह सब कुछ राजनीतिक एजेंडे के तहत किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। राज्य की जनता इन लोगों की मंशा को जानती है कि आखिर क्यों ये लोग इस तरह का ऐलान कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि लोग अब इनके झांसे में नहीं आएंगे। साथ ही, पप्पू यादव ने विश्वास दिलाया कि जब हमारी सरकार सत्ता में आएगी, तो निश्चित तौर पर हम सभी लोगों के हितों का ख्याल रखेंगे।

तमिलनाडु के कैश फॉर जॉब केस में 2000 आरोपी-500 गवाह, सुप्रीम कोर्ट बोला, सुनवाई के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से जुड़े कथित कैश फॉर जॉब के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मामले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्या बागची की बेंच ने कहा इस केस की सुनवाई की तो यह देश का सबसे भीड़-भाड़ वाला ट्रायल होगा। कोर्ट रूम की जगह छोटी पड़ जाएगी, ट्रायल के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी। कोर्ट ने कहा कि यदि न्यायपालिका

मामले में हस्तक्षेप नहीं करती तो राज्य सरकार अब तक केस को बंद कर देती। कोर्ट ने घोटाले में 2000 से ज्यादा आरोपी बनाने पर आपत्ति जताई है और सभी आरोपियों व 500 गवाहों की जानकारी मांगी है। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्ति करने की मांग पर कोर्ट ने स्टेट की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी को जवाब दिया। कोर्ट ने कहा कि जब कोई ताकतवर मंत्री और प्रभावशाली व्यक्ति आरोपी होता है, तो एक पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नहीं रखा जा सकता है। इससे न्यायिक प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास डगमगा सकता है। पीड़ितों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने आरोपियों के मामलों को एक साथ क्लब करने के फैसले का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भी इस मामले में तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि 2000 से ज्यादा आरोपी बनाकर जबरन केस में देरी की जा रही है। 23 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और ओगस्तीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कड़ज्ञ नेता और राज्य सरकार के मंत्री वी सेंथिल बालाजी से मंत्री पद या आजादी में से किसी एक चीज को चुन लेने के लिए कहा था।

सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति, पुंछ में 2 आतंकी ढेर,तीन हथियार और गोला-बारूद बरामद

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल (एनओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को

श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों ने तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जुलाई को लोकसभा में बताया था कि मारे गए आतंकियों में से एक पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी था। बाकी दो आतंकियों की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। आतंकियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले थे। इसे ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ इंडिया गठबंधन का संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बुधवार को भी यहां संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर नारेबाजी की। मानसून सत्र की शुरूआत से ही गठबंधन के नेता अपनी मांगों के समर्थन में हर दिन संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने के बावजूद उनका यह प्रदर्शन आज भी जारी रहा। गठबंधन के नेता पिछले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर रहे थे और अब वे बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण तथा परिसीमन के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा, आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन सहित कई नेता शामिल हुए।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, उधम सिंह की शहादत की वर्षगांठ पर 31 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश

पंजाब (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने शहीद उधम सिंह की शहादत वर्षगांठ

मनाने के लिए 31 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि पहले यह एक प्रतिबंधित अवकाश था, लेकिन अब शहीद उधम सिंह की विरासत को सम्मान देने के लिए इसे राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया है। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर घोषणा की है कि इस दिन राज्य भर के सभी सरकारी कार्यालय, बोर्ड, निगम और शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। आप के जलालाबाद विधायक जगदीप कंबोज गोल्डी के साथ मौजूद अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रीय राजमार्ग के पटियाला-भवानीगढ़ खंड का नाम शहीद उधम सिंह के नाम पर रखने के लिए केंद्र को पत्र लिखा है। भवानीगढ़-सुनाम-भीखी-कोट शमीर मार्ग का नाम उनके सम्मान में पहले ही बदला जा चुका है। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार 31 जुलाई को उधम सिंह के जन्मस्थान, संगरूर जिले के सुनाम में एक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री मान के साथ, इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और क्रांतिकारी को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावे को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

ट्रंप झूठ बोल रहे कहने की साहस नहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार में यह कहने का साहस नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, जब उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने की बात कही थी। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने कल कहा था कि मेरे भाषण के अंत तक यह संख्या 30 (डोनाल्ड ट्रंप का भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष

विराम पर बयान) हो जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार यही कहते रहे, लेकिन उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि वह झूठ बोल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनमें यह कहने का साहस नहीं है कि हम इस तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करते। 'दाल में कुछ काला है', इसलिए वे कुछ नहीं कह रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्रंप को सीधे तौर पर झूठा न कहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो पूरा सच सामने आ जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि ट्रंप वर्तमान में युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता का दावा कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच चल रही व्यापारिक वाताओं के बीच भारत पर दबाव बनाना है। गांधी ने मीडिया से कहा कि जाहिर है कि प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ट्रंप ने झूठ नहीं बोला है। सबको पता है कि क्या हुआ है; वे बस यह नहीं कह पा रहे हैं कि समस्या यही है। सच्चाई यही है: अगर प्रधानमंत्री (कुछ) कहते हैं, तो वह (डोनाल्ड ट्रंप) खुलकर कहेंगे, तब पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी। इसीलिए यह नहीं कहा जा रहा है।

सम्पादकीय

थकी-तनावग्रस्त पीढ़ी

अपने हालिया अध्ययन में यूरोपीय आयोग ने चिंता जतायी है कि सोशल मीडिया पर अतिसक्रियता से युवा पीढ़ी तनाव व थकान से जूझ रही है। इस संकट को लेकर भारतीय समाजविज्ञानी, चिकित्सक व मीडिया भी लंबे समय से चेतावनी देता रहा है। लेकिन जब कोई मुहिम व अध्ययन पश्चिमी जगत से आता है तो हम उसे विशेष महत्व देने लगते हैं। अब जब यूरोपीय आयोग जेनरेशन जेड को लेकर अपने निष्कर्ष सामने ला रहा है तो भारत में नये सिरे से उसकी चर्चा होने लगी है। विडंबना यह है कि पिछली सदी के अंतिम वर्षों से लेकर इस सदी के पहले दशक में पैदा हुए बच्चों की यह पहली पीढ़ी है, जिसे कम उम्र में ही सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से रूबरू होने का मौका मिल गया था। यह पीढ़ी पारंपरिक मानकों को चुनौती देकर अपना नया आकाश तलाशने की जद्दोजहद में जुटी रही है। इस पीढ़ी ने परंपरागत जीवन मूल्यों को तिलांजलि देकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को अंजाम दिया। साथ ही नये नजरिये की जीवनशैली का अंगीकार किया। यह पीढ़ी डिजिटल युग के साथ कदमताल करती नजर आई। इंटरनेट के विस्तार के साथ वह सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों के साथ सहज दिखी। लेकिन काल्पनिक धरातल पर उगा सोशल मीडिया इस पीढ़ी को यथार्थ से बहुत दूर ले गया। फलतरू कठोर यथार्थ से जूझते हुए यह पीढ़ी कल्पना व वास्तविकता के द्वंद्व के चलते तनाव व असहजता के भंवर में जा फंसी। इस बात की पुष्टि यूरोपीय आयोग का अध्ययन भी करता है। आयोग कहता है कि लगातार सोशल मीडिया में सक्रियता के चलते युवाओं में चिंता, मानसिक थकान, कुछ खोने का भय व मोबाइल में चिपके रहने की विसंगतियां सामने आई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 के विश्व खुशी सूचकांक रिपोर्ट में भी इन खतरों की तरफ इशारा किया गया था। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि युवा वर्ग सबसे अधिक दुखी है। चौंकाने वाली बात यह थी कि उनमें तनाव व डिप्रेशन की वजह पढ़ाई या कैरियर की चिंता नहीं थी बल्कि इसकी मूल वजह सोशल मीडिया ही था। वास्तव में हमने कोरोना संकट से उबरने के लिये जिस ऑनलाइन व्यवस्था को अस्त्र के रूप में अपनाया था, कालांतर वह ही शस्त्र बनकर युवा पीढ़ी को जख्मी करने लगा। उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान जब संचार बंदी लागू हुई तो पूरी दुनिया में जनजीवन ठप पड़ गया। जिसके चलते घरों में कैद लोगों को इंटरनेट ही अंतिम सहारा नजर आया। धीरे-धीरे युवाओं का जीवन इंटरनेट पर बहुत ज्यादा आश्रित हो गया। जहां छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भर हो गई, वहीं मनोरंजन की दुनिया भी मोबाइल आदि तक सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिये शिक्षा व कैरियर का दबाव यथावत बना रहा। लेकिन एक हकीकत यह है कि जीवन व्यवहार में सब कुछ ऑनलाइन हो पाना संभव नहीं है। जीवन तो हमारी कठोर वास्तविकता और सामाजिक सहभागिता से ही चलता है। वैसे फिलहाल हमारा वैश्विक परिवेश भी कम उथल-पुथल वाला नहीं है। जब तक दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल में लगे झटके से उबर पाती, दुनिया में कई युद्धों व क्षेत्रीय संघर्षों ने पूरी दुनिया की आर्थिकी की स्वाभाविक गति को रोक दिया। निस्संदेह, रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास संघर्ष व इस्राइल तथा ईरान के बीच हुए संघर्ष ने विश्व विकास की स्वाभाविक गति को बाधित किया, जिसका नकारात्मक प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा। वहीं वैश्विक टकराव के अलावा युवाओं के अपने राष्ट्रों की विषम स्थितियां व जलवायु परिवर्तन के कारकों के चलते रोजगार के सिमटते अवसरों ने भी नई पीढ़ी को हताश किया। इसके बावजूद युवा पीढ़ी उस सोशल मीडिया में लिप्त रही, जिसका जीवन की ठोस वास्तविकताओं से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में यथार्थ से जूझते वक्त युवाओं का हताश व निराश होना स्वाभाविक ही है। कालांतर में उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ। कुछ देशों ने सोशल मीडिया के नियमन की कोशिश की भी, लेकिन प्रयास सिरे न चढ़ सके। ऐसे में सरकारों को स्क्रीन समय के नियमन के साथ ही सोशल मीडिया का बेहतर उपयोग शिक्षा तथा रचनात्मक संवाद बढ़ाने के लिये करने की जरूरत है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद में उठे सुलगते सवालों के मिले अस्पष्ट जवाबों के गम्भीर वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

कहा जा रहा है कि पीएम मोदी की स्पीच में बहुत सारे सवालों के जवाब तो मिले लेकिन ढेर सारे सवालों के जवाब, जवाब के तौर पर नहीं बल्कि सवाल के रूप में मिले। उदाहरण के तौर पर, सरकार ने इस बात का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया कि आखिरकार सीजफायर क्यों किया गया? पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सुलगते हुए सवालों पर भारत की संसद के दोनों सदनों यानी राज्यसभा और लोकसभा में लगभग 32 घण्टे तक पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस चली, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के दहकते हुए कुछ सवालों का सटीक जवाब प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और गृहमंत्री आदि नहीं दे पाए! इसके पीछे मौलिक वजह यह बताई जाती है कि विपक्ष के कुछ मूर्खतापूर्ण सवालों का जवाब चतुर सत्तापक्ष ने रणनीतिक पूर्वक गोलमोल तरीके से दिया है। तभी तो यह सवाल उठने लगे कि पीएम मोदी के भाषण द्वारा मिले जवाब में कुछेक विपक्षी सवालों का सीधा और माकूल जवाब नहीं मिल पाया है? इस बाबत राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पीएम मोदी भले ही संसद में अपनी बात रख चुके हों, लेकिन अभी तक उनके मार्फत कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी की स्पीच में बहुत सारे सवालों के जवाब तो मिले लेकिन ढेर सारे सवालों के जवाब, जवाब के तौर पर नहीं बल्कि सवाल के रूप में मिले। उदाहरण के तौर पर, सरकार ने इस बात का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया कि आखिरकार सीजफायर क्यों किया गया? इसकी जानकारी घोषणा होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप तक कैसे पहुंच गई, जिन्होंने इस मसले पर सबसे पहले ट्वीट किया था? वहीं, पहलगाम से पुलवामा तक सुरक्षा मामलों में हुई चूक को लेकर किसी की तरफ से स्पष्ट जवाब नहीं मिला- चाहे वो रक्षा मंत्री हों, गृह मंत्री हों या प्रधानमंत्री! उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 'संघर्ष विराम' की पहली जानकारी यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी, तो आखिर कैसे, यह देशवासी जानना चाहते हैं। क्योंकि ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए दावा किया था कि 'रात भर चली बातचीत' में अमेरिका ने मध्यस्थता की। ट्रेड की शर्तों पर युद्ध विराम करवाया। वहीं, तब से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप दो दर्जन से अधिक बार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा कर चुके हैं, जिससे भारत सरकार की कूटनीतिक सफलता पर सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल, गत सोमवार को भी स्कॉटलैंड में ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर के साथ हुई बातचीत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान सहित दुनिया भर में चल रहे छह बड़े युद्ध को रोकने में अपनी भूमिका की बात कही थी। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय शांति का नोबल पुरस्कार

पाने के लिए वह लालायित हैं। वहीं भारतीय विपक्ष ने निरंतर यह सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने इस पर चुप्पी क्यों साधी है? क्या यह दावा सच है या झूठ? मोदी ने अपने संसदीय बयान में भी ट्रंफ का ज़िक्र क्यों नहीं किया? इसका सीधा जवाब यही होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच में न तो अमेरिका का नाम लिया और न ही डोनाल्ड ट्रंप का ज़िक्र किया। क्योंकि वैश्विक कूटनीति में ऐसा नहीं होता कि किसी नेता का नाम लेकर सरकार बयान दे। जहां तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बात है तो वह दुनिया के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति हैं। वहीं, इस पूरी बहस में सरकार ने चीन का नाम भी नहीं लिया है, जिसने पाकिस्तान की तरफ से पूरा युद्ध लड़ा है। इसलिए पूरक सवाल है कि जब चीन पर नहीं बोल रहे, तो ट्रंप पर कैसे बोलेंगे? हां, इतना जरूर है कि तीसरे देश के हस्तक्षेप पर बोलते हुए पीएम मोदी ने दो कहा है कि, दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन रोकने के लिए नहीं कहा। 9 तारीख (मई) की रात को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जी ने मुझसे बात करने का प्रयास किया। वे घंटे भर कोशिश कर रहे थे, लेकिन उस समय सेना के साथ मेरी मीटिंग चल रही थी। मैं उनका फोन उठा नहीं पाया और बाद में जब उन्हें कॉल बैक किया। तो उन्होंने मुझसे कहा कि पाकिस्तान बहुत बड़ा हमला करने वाला है। इस पर मेरा उन्हें जवाब था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है, तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा। तो इसका स्पष्ट जवाब यही होगा कि मौजूदा दौर में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत अंतरराष्ट्रीय मोर्चा (इंटरनेशनल फ्रंट) पर विभिन्न प्रकार की कई चुनौतियों से जूझ रहा है। चूंकि बहुत सारी चीजें बातचीत की मेज पर हैं, इसलिए ट्रंप जैसे व्यक्ति का नाम लेकर भारत अपना पक्ष कमजोर नहीं करना चाहता है। लेकिन इसका मतलब यह भी कतई नहीं है कि सरकार ट्रंप को सही ठहरा रही है। बस भारत अनावश्यक रूप से और अधिक समस्याएं खड़ा नहीं करना चाहता है। इसलिए भारत अपनी रणनीति में सफल है, जबकि विदेशी एजेंडे पर सियासी गोले बरसा रहा विपक्ष बेचैन! भारत का विपक्ष एक और सवाल जानना चाहता है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के कितने फाइटर जेट गिरे? हालांकि, उसे यह भी पूछना चाहिए था कि पाकिस्तान के कितने फाइटर जेट मार गिराए गए। इसका दो टूक जवाब यह होगा कि सर्वप्रथम भारतीय सेना ने रफाल लड़ाकू विमान गिराने के दावे को खारिज किया था। लेकिन उसके ही एक वरिष्ठ अधिकारी ने विदेश में यह बात कबूल ली की ऐसा कुछ हुआ है। यह विरोधाभाषी स्थिति ही मोदी सरकार के गले की हड्डी बन चुकी है। इससे उत्साहित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी महीने दावा किया था कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच चले संघर्ष के दौरान 'पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस देश के कितने विमान गिराए गए। इससे पहले पाकिस्तान भी भारत के 'पांच लड़ाकू विमान मार गिराने' का दावा कर चुका है, जिसे भारत ने हमेशा खारिज किया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस इससे पहले भी केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने की मांग कर चुकी है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के कितने जेट गिरे थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार ने अब तक इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया है। जबकि लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस विषय पर जवाब देते हुए सेना की सराहना की और कहा, कुछ विपक्षी सदस्य पूछ रहे हैं कि कितने एयरक्राफ़्ट गिराए गए। मुझे लगता है कि यह सवाल हमारी राष्ट्रीय भावना के अनुरूप नहीं है। क्योंकि इन्होंने यह नहीं पूछा कि दुश्मनों के कितने एयरक्राफ़्ट गिराए गए। भारतीय प्रतिपक्ष सरकार से यह भी जानना चाहता है कि भारत की तुलना में पाकिस्तान के साथ ज्यादा देश क्यों हैं? क्योंकि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान तुर्की, अजरबैजान और चीन ने खुले तौर पर पाकिस्तान का समर्थन किया था। जबकि भारत के पक्ष में केवल इसराइल स्पष्ट रूप से खड़ा नजर आया। यहां तक कि रूस ने भी भारत का खुलकर समर्थन नहीं किया था। इस मुद्दे पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि, दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में 193 देश हैं और सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। क्वाड, ब्रिक्स, फ्रांस, रूस और जर्मनी...कोई भी देश का नाम ले लीजिए, दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला। इस बारे में मेरी स्पष्ट राय यह है कि जब भारत यूक्रेन के खिलाफ रूस का खुला साथ नहीं देगा तो क्यों रूस से यह उम्मीद की जाए कि वह पाकिस्तान के खिलाफ भारत का साथ पहले की तरह खुलकर देगा! कुछ यही बातें अन्य देशों पर भी लागू होती हैं। इस मामले में इजरायल अपवाद है, क्योंकि वह भी भारत की तरह ही इस्लामिक कट्टरता से जूझ रहा है। इसलिए भारत का उसने बिना किसी शर्त के साथ सहयोग किया है। वहीं, इससे जुड़ा सवाल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गत सोमवार को संसद में उठाया और कहा कि, विदेश मंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि सभी देशों ने आतंकवाद की निंदा की है, यह बिल्कुल सही है। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि पहलगाम हमले के बाद किसी एक भी देश ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब यही है कि दुनिया हमें पाकिस्तान के साथ रख रही है। उन्होंने जोर देते हुए आगे कहा कि, जब यूपीए सरकार थी, तब दुनिया के अलग-अलग देश पाकिस्तान की आतंकवाद के लिए आलोचना करते थे। जो व्यक्ति पहलगाम हमले के पीछे था- जनरल मुनीर, वह राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर रहा है। हमारे प्रधानमंत्री वहां नहीं जा सकते, लेकिन जनरल मुनीर लंच कर रहा है। इस बारे में सिर्फ इतना ही कहना समीचीन होगा कि हर देश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए ही भारत का समर्थन करेगा, क्योंकि उन्हें भी वर्ल्ड ऑर्डर के बारे में सोचना है। कई देशों ने भारत की निंदा नहीं की है। इसे भारत के समर्थन के रूप में ही देखना चाहिए. यह बहुत बड़ी बात है।

संघ कुनबे में अब भागवत नहीं, मोदी ही सर्वशक्तिमान

अनिल जैन

यह बहस का बिल्कुल बेमानी है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन राव भागवत 75 वर्ष के हो जाने पर अपना पद छोड़ देंगे? दोनों ही नेता आगामी कुछ दिनों बाद अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने वाले हैं। इस बहस का आधार यह रहा है कि 11 साल पहले भाजपा में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह का युग शुरू होने के बाद भाजपा के कई दिग्गज नेताओं को इस आधार पर मार्गदर्शक बनाकर घर बैठा दिया गया था कि उनकी उम्र 75 साल से ज्यादा हो गई है। मोदी और शाह के इस फैसले को उस समय संघ नेतृत्व ने भी मौन समर्थन दिया था। जिन नेताओं को 75 साल का होने पर मार्गदर्शक मंडल नामक कूड़ेदान में डाला गया था, उनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, शांता कुमार, जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा आदि शामिल थे। इन नेताओं को किनारे करने के बाद भी मोदी और शाह ने अगले पांच साल तक यह अभियान जारी रखा और 2019 के लोकसभा चुनाव में कई नेताओं को 75 साल का होने पर घर बैठाया। हालांकि ऐसे कई नेताओं को, जो मोदी और शाह की गुडबुक्स में थे, उन्हें राज्यपाल बनाकर उनका पुनर्वास कर दिया गया। उनमें से कई नेता तो 80 साल से ज्यादा के होने बावजूद राज्यपाल बने रहे और आनंदीबेन पटेल तो अभी 84 साल की उम्र में भी उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनी हुई हैं। हालांकि 2019 से 2024 आते-आते 75 साल की उम्र में नेताओं को घर बैठाने का यह पैमाना खत्म हो गया। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में ऐसे कई नेताओं को उम्मीदवार बनाया जो 75 वर्ष के करीब थे या 75 पार कर चुके थे। केरल में 2021 के विधानसभा चुनाव में तो पार्टी ने रिटायर्ड नौकरशाह ई. श्रीधरन को 89 वर्ष की उम्र में न सिर्फ विधानसभा चुनाव लड़ाया था बल्कि उन्हें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर भी प्रस्तुत किया था। बहरहाल, कहने का आशय यह है कि भाजपा के संविधान में 75 वर्ष की आयु सीमा वाला कोई प्रावधान नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी 1998 में दूसरी बार 74 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे और 79 वर्ष की उम्र तक उस पद पर बने रहे थे। लालकृष्ण आडवाणी भी 2004 में 77 वर्ष की उम्र में लोकसभा में नेता विपक्ष बने थे और 2009 के लोकसभा चुनाव में भी वे एनडीए की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे। जहां तक संघ की बात है, उसका तो कोई संविधान ही नहीं है और वहां सब कुछ परंपरा के आधार पर चलता है। संघ के तीसरे सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस ने 81 वर्ष की उम्र में बीमारी की वजह से पद छोड़ा था। उनके बाद सरसंघचालक बने प्रोफेसर राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया ने 78 वर्ष की उम्र में बीमारी की वजह से ही पद छोड़ा था। उनके बाद पांचवे सरसंघचालक केएस सुदर्शन से भी 81 वर्ष की उम्र में पद छुड़वाया गया था। इसलिए कोई कारण नहीं है कि मोहन भागवत 75 वर्ष पूरे करने पर पद छोड़ दें। दरअसल मोहन भागवत का 75 वर्ष पूरे होने पर रिटायर होने का सुझाव परोक्ष रूप से मोदी को निशाना बनाकर ही दिया गया था, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि पूरा संघ अब मोदी से छुटकारा पाना चाहता है। यही वजह है कि भागवत के बयान के तीसरे ही दिन उस पर संघ की ओर से सफाई दी गई कि भागवत के बयान का प्रधानमंत्री मोदी से कोई संबंध नहीं है। हालांकि इस सफाई में यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह सफाई आरएसएस के किस पदाधिकारी या प्रवक्ता ने दी है। पूरी खबर संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के हवाले से दी गई है लेकिन उस वरिष्ठ पदाधिकारी का नाम खबर में कहीं नहीं दिया गया। जाहिर है कि यह बेनामी सफाई एक तरह से मीडिया में रोपी हुई खबर थी, जो यह बताती है कि संघ में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और भाजपा के मौजूदा शीर्ष नेतृत्व पर भी संघ का अब वैसा काबू नहीं रह गया है, जैसा एक दशक पहले तक हुआ करता था। दरअसल नरेन्द्र मोदी कभी भी संघ की स्वाभाविक पसंद नहीं रहे। भाजपा की राजनीति में आडवाणी को किनारे कर दिए जाने के बाद संघ ने नितिन गडकरी को भविष्य के नेता के तौर पर आगे किया था। संघ चाहता था कि भाजपा 2014 का चुनाव गडकरी की अगुवाई में ही लड़े। इसलिए उन्हें पार्टी अध्यक्ष का दूसरा कार्यकाल देने का फैसला भी संघ कर चुका था, परंतु आडवाणी खेमा यूपीए सरकार के वित्त मंत्री पी.चिदंबरम की मदद से गडकरी के कारोबारी ठिकानों पर आयकर के छापे डलवा कर उन्हें विवादास्पद बनाते हुए अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर करने में कामयाब हो गया था। उधर मोदी पहले से ही दिल्ली की राजनीति में कूदने के लिए तैयारी कर रहे थे। उन्होंने अपने कॉरपोरेट शुभचिंतकों और उनके द्वारा पोषित मीडिया के जरिये ऐसा माहौल बनवा दिया था कि अब मोदी ही भाजपा को सत्ता तक ले जा सकते हैं। चूंकि 2014 के चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा था लिहाजा संघ को मजबूरी में मोदी के नाम पर सहमत होना पड़ा। भाजपा ने 2014 का चुनाव मोदी के नेतृत्व में लड़ा और पूर्ण बहुमत के साथ वह सत्ता में आई। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी और मोहन भागवत की जुगलबंदी लंबे समय तक चली। इसी जुगलबंदी के चलते ही न सिर्फ संघ के भौतिक संसाधनों में अथाह बढ़ोतरी हुई, बल्कि संघ के पदाधिकारियों और प्रचारकों की जीवनशैली में भी आमूल-चूल बदलाव आया। सरकार के स्तर पर संघ के एजेंडा पर तेजी से अमल होने लगा। सत्ता और संगठन के पदों पर भी संघ की लगभग हर पसंद को प्राथमिकता दी गई।

अच्छी अर्थव्यवस्था का हाल

अरविन्द मोहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी राजनैतिक फौज जिस तेजी से हमारी अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन तक पहुंचने और भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के दावे कर रहे हैं, वह लक्ष्य लगातार दूर भागता लग रहा है। यह काम कोविड के पहले से किया जा रहा है और इसमें नोटबंदी से अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान को छुपाना और इसमें एक अपराधभाव से निपटना भी था। लेकिन कोविड ने और उस दौरान उठाए कदमों ने भी स्थिति बिगाड़ी और अब जबकि अर्थव्यवस्था के पटरी पर आ जाने का दावा किया जाने लगा है, तब फिर से जो आंकड़े सामने आ रहे हैं या जो भविष्यवाणियां की जा रही हैं वे दुनिया में सबसे तेज विकास दर, पांच ट्रिलियन के जीडीपी और विश्व गुरु बनने के दावों को शक के दायरे में ला रहे हैं। सबसे ताजा आंकड़ा तो करखनिया उत्पादन दर (जो डेढ़ फीसदी पर पहुंच गया है) में गिरावट और देश कई सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस में भारी छंटनी की है। कुछ दिनों से उपभोक्ता उत्पादन कंपनियों के मुनाफे और बिक्री में कमी, कई खबरें भी आ रही हैं और कार बाजार के अनबिके कारों का बोझ बढ़ रहा है। इससे जुड़ी खबर यह भी है कि बड़ी कारों और स्पोर्ट्स व्हीकल का बाजार तेज है, एक-दो कमरे वाले फ्लैट की बिक्री नहीं है और बड़े घरों की मांग बढ़ी है। अर्थात समाज के एक वर्ग में अमीरी बढ़ रही है, बाकी लोगों की क्रयशक्ति गिर रही है। अब अर्थव्यवस्था के संचालन का जिम्मा तो ग्यारह साल से मोदी जी और

उनकी टीम का है और वे सत्ता में आए भी थे बहुत भयंकर आर्थिक वायदों के साथ। उनकी याद दिलाने का अब कोई मतलब नहीं है क्योंकि यह तीन चुनाव पहले की बात है और अमित शाह जैसा सीनियर आदमी उन्हें जुमला करार दे चुका है। आज अर्थव्यवस्था को लेकर जो नई स्थिति बनी है और जिसके प्रभाव आने शुरू हो चुके हैं, वे सभी मोदी जी और उनकी टोली के वश के नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प महाराज जो कुछ कर रहे हैं उस दवाई से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के ही हाल बुरे हैं और उसका विकास दर ऋणात्मक हों चुका है। अमेरिका तो काफी दम वाला है। वह गिरते-पड़ते भी कितने ट्रम्प के मिस-एडवेंचर को बर्दाश्त कर जाएगा। लेकिन हम भारत के लोग ही नहीं दुनिया भर कई छोटी अर्थव्यवस्थाओं का क्या हाल होगा? यह कल्पना करना मुश्किल है। और अमेरिका हम पर प्रभाव डालता है और अभी भी उससे व्यापार वार्ता चल ही रही है पर वह थोड़ा दूर है। उसके मुकाबले खड़ा हो रहा चीन तो हमारा पड़ोसी है जो व्यापार समेत हर तरह से हमें प्रभावित करने के साथ हमारी जमीन पर पसरने की हसरत भी रखता है। जब तब उससे सीमा पर टकराव ही नहीं होता, पाकिस्तान (ही नहीं नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश से भी) से टकराव के वक्त वह हरवा-हथियार के साथ पाकिस्तान कई तरफ से लड़ाई में लग जाता है। चीन का नेतृत्व किसी भी मामले में विश्वसनीय नहीं है। अब हमारे मोदी जी की दिक्कत यह है कि वे अमेरिका जाकर ट्रम्प का प्रचार कर आते हैं और साबरमती तीरे जिनपिंग के साथ झूला झूलते हैं (जाहिर तौर पर इन चीजों का राजनैतिक लाभ भी लेते हैं) लेकिन आर्थिक मामलों में इन दो महाशक्तियों की होड़ का, एक से दूरी और दूसरे से पास होने कई भौगोलिक अवस्थिति का और पूंजी-श्रम-तकनीक के मामले में बेहतर स्थिति का लाभ नहीं ले पाते। उलटे हमें गाहे बेगाहे अमेरिका से बेमतलब हथियारों कई खेप खरीदनी पड़ती है और संघी स्वदेशी की लाख नकली तलवार तानने के बावजूद चीन से व्यापार घाटा लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। इसके बावजूद आपके पास उसे चीन से निवेश के समझौते करने, उसे अमेरिका के आगे टैक्स दरों की चिरौरी करने और अवांछित आयात पर सहमत होना पड़ता है। ट्रम्प जो जो चाहते थे वह भारत पूरा करता दिख रहा है, बगैर किसी स्पष्ट लाभ के। और अब वह यह भी यह करने जा रहे हैं कि आप तेल समेत दूसरे आयात कहां से करें, कहां से न करें। आप किस करेंसी में व्यापार करें किसमें नहीं और किसे मित्र बनाएं, किसे नहीं। हम इन बातों को मानने के लिए दो वजहों से मजबूर हो सकते हैं। एक वजह तो देश में निवेश का स्तर सबसे निचले स्तर पर आ जाना है। संरचना क्षेत्र पर जनता के कर के पैसे से गुलछर्रे उड़ाने के अलावा किसी बड़े उत्पादक काम में पैसा नहीं लगाया गया है- मनमोहन राज में बिजली उत्पादन की जबरिया लदी योजना चली लेकिन आज सड़क, सुरंग, पुल, मूर्तियां, कॉरिडोर, बिल्डिंग के अलावा बाकी काम नदारद हैं।

गृहमंत्री का स्तरहीन, खोखला भाषण

शायर शहाब जाफरी का बड़ा मशहूर शेर है- तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि कघफिले क्यूं लुटे तिरी रहबरी का सवाल है हमें राहजन से गरज नहीं। इन पंक्तियों को संसद में चर्चा के दौरान कई बार अलग-अलग नेताओं ने उद्धृत किया है। सोमवार और मंगलवार दोनों दिन जब सत्ता पक्ष के लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में अपनी बात रखी तो फिर इन्हीं पंक्तियों की याद आई। रहबरी यानी पथप्रदर्शक और राहजन यानी लुटेरा, डाकू। अगर रास्ता बतलाने वाले में काबिलियत हो तो फिर काफिला सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुंच जाता है, लेकिन रहबर अगर इधर-उधर की बहानेबाजी करता रहे तो फिर काफिला लुटने से भला कौन रोक सकता है। देश का हाल फिलहाल लुटते काफिले जैसा ही हो चुका है। हमारी सीमाओं की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। चीन की तरफ से तो घुसपैठ की कोशिशें चलती ही रहती हैं। इसके अलावा बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान हर तरफ से चीन हमें घेरने की फिराक में है। पाकिस्तान की तरफ से भी आतंकवाद बढ़ाने का खतरा बना ही हुआ है। ताजा उदाहरण पहलगाम है, जिसमें निर्दोष पर्यटकों की बेरहमी से जान ले ली गई। इतनी गंभीर चूक और भयावह घटना होने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी इस पर राजनैतिक लाभ लेने में लगे हुए हैं। देश से लेकर विदेशों तक कई मंचों से उन्होंने आतंकवाद पर बड़ी-बड़ी बातें कीं, लेकिन न सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए, न संसद में। जब इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा की शुरूआत हुई तो श्री मोदी वहां उपस्थित रहे। पहले दिन सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर अपना भाषण दिया, और मंगलवार को गृहमंत्री अमित शाह ने भाषण दिया। इस बीच सत्ता पक्ष से कई और सांसदों और मंत्रियों ने भाषण दिया। लेकिन उनमें तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया। वहीं विपक्ष की तरफ से उठाए सवालों में से एक का भी जवाब नहीं दिया। रक्षा मंत्री समेत सत्ता पक्ष के तमाम सांसदों के भाषण में बार-बार विपक्ष को निशाने पर लिया गया। अनुराग ठाकुर ने लश्करे राहुल जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। वहीं अमित शाह की भी पूरी कोशिश रही कि वे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे उन विपक्षी नेताओं को निशाने पर लें जिनकी वजह से भाजपा को लोकसभा चुनाव में बड़ा नुकसान हुआ है। अमित शाह ने यूपीए सरकार में हुए आतंकी हमले गिनाए, उस वक्त के आतंकवादियों के नाम लिए, हुर्रियत का जिक्र किया, और बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए कहा कि बाटला हाउस की घटना पर सोनिया जी रो पड़ीं। रोना था तो शहीद मोहन सिंह के लिए रोते। आतंकियों के लिए इनको रोना आता है। इनको आतंक को लेकर कुछ भी पूछने का कोई अधिकार नहीं है। गृहमंत्री के इस तथ्यहीन और स्तरहीन भाषण को सुनकर अफसोस होता है कि आतंकवाद जैसा गंभीर मसला भाजपा ने सस्ती राजनीति का हथियार बना लिया है। यूपीए सरकार में विदेश मंत्री रहे सलमान खुर्शीद के हवाले से यह बात फैलाई गई थी कि बाटला हाउस मुठभेड़ पर सोनिया गांधी को रोना आया था। जबकि खुद सलमान खुर्शीद ने एबीपी न्यूज चौनल के मंच पर इस बात से इंकार किया है कि उन्होंने ऐसा कोई बयान दिया था। दूसरी बात सोनिया गांधी खुद आतंकवाद की पीड़िता हैं। राजीव गांधी और इंदिरा गांधी के हत्यारे मुस्लिम नहीं थे क्या इसलिए भाजपा उन्हें आतंकवादी नहीं मानती है, यह सवाल भाजपा से किया जाना चाहिए। क्योंकि इन दोनों की नृशंस हत्या वैश्विक बिरादरी में आतंकवादियों द्वारा की गई हत्या के तौर पर ही गिनी जाती है। तीसरी बात सोनिया गांधी या संसद में बैठे तमाम विपक्षी सांसद चुने हुए जनप्रतिनिधि ही हैं, इसलिए उन्हें भी आतंकवाद पर बात करने का उतना ही हक है जितना भाजपा को है। अमित शाह ने केवल इस मसले पर ही मिथ्यावाचन नहीं किया। कश्मीर के हालात पर यूपीए और मौजूदा दौर की तुलना करते हुए अमित शाह ने कहा कि 2024 में पथराव की घटनाएं जीरो हो गईं, ऑगेर्नाइज्ड हड़ताल तीन साल से जीरो है, नागरिकों की मृत्यु तीन साल से जीरो है। जब पथराव और हड़ताल न होने का श्रेय अमित शाह ले रहे हैं तो फिर अब तक पहलगाम हमले की जिम्मेदारी उन्होंने क्यों नहीं ली। वहीं नागरिकों की मृत्यु को शून्य बताना भी उन तमाम लोगों के बलिदान का मजाक है, जिनकी जान पाकिस्तान की तरफ से हुए हमलों में गई है। भारत-पाक विभाजन, सुरक्षा परिषद की सदस्यता न मिलना, राजीव गांधी फाऊंडेशन का चीन से करार, 62 का युद्ध, 71 की लड़ाई के बाद शिमला समझौता इतिहास की इन तमाम घटनाओं को तोड़ मरोड़ कर अमित शाह ने वैसे ही पेश किया जो भाजपा के लिए लाभकारी हो। संसद में झूठ शब्द असंसदीय सूची में डाला गया है, लेकिन अफसोस कि झूठी बातों को असंसदीय बताकर रोकने की कोई कोशिश लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने नहीं की। चीन और पाकिस्तान से कांग्रेस खासकर गांधी परिवार का प्रेम साबित करने वाले अमित शाह भूल गए कि शी जिनपिंग के साथ झूला मोदीजी ने झूला है और गलवान के बाद चीन को नाम लेकर ललकारने की हिम्मत उन्होंने नहीं दिखाई। पाकिस्तान भी श्री मोदी ही बिन बुलाए या बिन बताए गए थे और अभी हाल में अमित शाह के बेटे जय शाह पाकिस्तान के क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के साथ बैठकर मैच देख रहे थे, जबकि अफरीदी ने बार-बार भारत के खिलाफ बातें की हैं।

इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए युवक से अश्लील वीडियो कॉल पर ठगी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। साइबर अपराधियों ने एक बार फिर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर युवक को जाल में फंसा ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। मामला प्रेमनगर क्षेत्र का है, जहां एक युवक को फर्जी महिला प्रोफाइल से वीडियो कॉल कर अश्लील हरकत के लिए उकसाया गया, फिर उसका वीडियो रिकॉर्ड कर ब्लैकमेल किया गया। पीड़ित युवक ने मामले की शिकायत एसएसपी अनुराग आर्य से की है। शिकायती पत्र के अनुसार, 18 मई की रात करीब 12 बजे पीड़ित को एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई, जिसके कुछ देर बाद वैशाली मुखर्जी नाम की इंस्टाग्राम आईडी से चैट शुरू हुई। महिला ने वीडियो कॉल की, जिसे युवक ने रिसीव कर लिया। पीड़ित का आरोप है कि कॉल पर महिला ने उसे कपड़े उतारने के लिए उकसाया और खुद भी अश्लील हरकतें करने लगी। इसी दौरान कॉल को रिकॉर्ड कर लिया गया। कुछ देर बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवक से पैसे की मांग की गई। डर की वजह से युवक ने दो बार में तीन हजार रुपये एक क्यूआर कोड पर ट्रांसफर कर दिए। इसके बावजूद वीडियो डिलीट नहीं किया गया और लगातार पैसों की मांग की जाती रही। युवक ने बताया कि वह सामान्य परिवार से हैं और इस घटना के कारण वह मानसिक रूप से बहुत परेशान हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर साइबर ठगों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है।

फरीदापुर रामचरन गांव में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, निकली झूठी एफआईआर

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के गांव फरीदापुर रामचरन में कथित चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि यह मामला झूठी एफआईआर का था, जिसमें चोरी की कोई घटना नहीं घटी थी, बल्कि यह एक घरेलू घटनाक्रम और प्रेम प्रसंग का नतीजा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राकेश कुमार पुत्र गंगाराम निवासी फरीदापुर रामचरन ने सोमवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 जुलाई की सुबह जब वह मजदूरी पर गया हुआ था और उसकी पत्नी स्कूल में खाना बनाने गई थी, तब अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर 10,000 रुपये नकद, एक जोड़ी कुंडल, पायल और अंगूठी चोरी कर ली। शिकायत के मुताबिक, उसकी बेटी ने चोरों को देखकर शोर मचाया जिससे वे भाग गए। हालांकि, पुलिस ने जब घटनास्थल का निरीक्षण किया और गहनता से जांच की, तो मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। आगे की विवेचना में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पुलिस के अनुसार, राकेश कुमार की बेटी का गांव के ही एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों हाईस्कूल तक एक ही कक्षा में पढ़े थे और एक-दूसरे से लगातार संपर्क में थे। पूछताछ के दौरान लड़की ने स्वीकार किया कि वह अपने प्रेमी के साथ घर से भागकर शादी करना चाहती थी। इसी योजना के चलते उसने घर में रखे पैसे और गहने चुरा कर प्लास्टिक के कट्टे में छिपा दिए और परिवार को चोरी की झूठी कहानी बताई। बाद में राकेश कुमार स्वयं थाने पहुंचा और बताया कि घोषित चोरी का सारा सामान–10,000 रुपये नकद, कुंडल, पायल और अंगूठी–घर में ही मिल गए हैं और उसकी बेटी ने ही उसे वापस दे दिए हैं। उसने थाने में एक नया प्रार्थना पत्र देकर अपने द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर को झूठा बताते हुए उसे निरस्त करने का अनुरोध किया। पुलिस का कहना है कि झूठी सूचना देकर मुकदमा दर्ज कराना कानूनी अपराध है और मामले की विवेचना के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोकसभा में गूंजा यूपी में स्कूल बंद होने का मुद्दा, सांसद नीरज मौर्य ने की आंवला में केंद्रीय व नवोदय विद्यालय खोलने की मांग

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश में बंद हो रहे सरकारी स्कूलों को लेकर बुधवार को लोकसभा सत्र में गंभीर चिंता जताई गई। आंवला लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद नीरज मौर्य ने यह मुद्दा सदन में उठाते हुए कहा कि प्रदेश में करीब 5000 स्कूल बंद होने की कगार पर हैं, जिससे शिक्षा का अधिकार खतरे में पड़ रहा है। सांसद मौर्य ने कहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वही दहाड़ेगा। लेकिन अफसोस है कि आज उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों की हालत बदतर है और उन्हें लगातार बंद किया जा रहा है। एक दौर था जब छात्रों को लैपटॉप दिए जाते थे, आज मधुशालाएं बांटी जा रही हैं। सांसद ने विशेष रूप से अपने संसदीय क्षेत्र आंवला का जिक्र करते हुए कहा कि वहां ग्रामीण इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की भारी कमी है। बच्चों को बेहतर स्कूल नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनका शैक्षणिक भविष्य संकट में है। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में सब पढ़े, सब बढ़े का नारा खोखला साबित हो रहा है। नीरज मौर्य ने सरकार से केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय की स्थापना की मांग करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सकेगी और शिक्षा का अधिकार वास्तव में लागू हो पाएगा। उन्होंने कहा कि यह वही संसद है जिसने राइट टू एजुकेशन जैसे कानून को पास किया, लेकिन आज उसी अधिकार से बच्चों को वंचित किया जा रहा है। सांसद मौर्य ने अपने वक्तव्य में पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना करते हुए वर्तमान व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और नीतिगत बदलाव की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि शिक्षा से समझौता देश के भविष्य से समझौता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

रोजगार मेले में 72 अभ्यर्थियों को मिली करियर की उड़ान

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सीबीगंज में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में हीरो मोटोकॉर्प, हरिद्वार कंपनी ने प्रतिभाग किया और विभिन्न व्यवसायों से जुड़े प्रशिक्षार्थियों को करियर का अवसर प्रदान किया। रोजगार मेले में कुल 126 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 72 आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन कंपनी द्वारा किया गया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत कंपनी के प्रतिनिधि सतीश द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नोडल प्रधानाचार्य शिव कुमार शर्मा ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट प्रभारी विशाल अवस्थी ने मेले की सफलता के लिए सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अनिल सिंह, आशुतोष कुमार, सौरभ सिंह, नीपेंद्र सिंह, सत्यम मिश्रा, मनीष सिंह और भूपेंद्र सहित संस्थान के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

राजश्री कॉलेज में 8वीं गर्ल्स बटालियन एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

रिठौरा। राजश्री इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में 8वीं गर्ल्स बटालियन एनसीसी का दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया है। शिविर का निरीक्षण एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संदीप वर्मा, संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल और एमडी रोहन बंसल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कैम्प कमांडेंट कर्नल समीर सिंह बिष्ट और डिप्टी कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल नीलिमा गौर द्वारा अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत कर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों का भी प्रदर्शन किया। ब्रिगेडियर संदीप वर्मा ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कैडेट्स को दी जा रही ट्रेनिंग जैसे बाधा दौड़, मानचित्र पठन, फायरिंग, टेंट पिचिंग आदि का निरीक्षण किया और खानपान व्यवस्था की भी सराहना की। उन्होंने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन और समर्पण के साथ जीवन का कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। एनसीसी युवाओं को एक जिम्मेदार, अनुशासित और प्रेरणादायक नागरिक बनाती है। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि एनसीसी कैंप के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सैन्य अनुशासन और सेवा भाव से ओतप्रोत जीवनशैली का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। इस दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में बरेली, मुरादाबाद, कानपुर, गाजियाबाद, गोरखपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी-ए और वाराणसी-बी जैसे मुख्यालयों से आई कैडेट्स भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण में कैडेट्स को ड्रिल, फायरिंग, हेल्थ एवं हाइजीन, युद्ध कौशल, बाधा दौड़, नेतृत्व विकास और टेंट पिचिंग जैसी गतिविधियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में प्रशासनिक अधिकारी मेजर नीलिमा गौड़, लेफ्टिनेंट रचना सिंह, लेफ्टिनेंट ममता शर्मा, सूबेदार मेजर शंकर लाल, निदेशक प्रो. डॉ. पंकज कुमार शर्मा, डीन डॉ. साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कांवड़ियों पर हमले में सात आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी में कांवड़ियों पर हमले में सात आरोपी गिरफ्तार किए गए। वहीं कांवड़ियों के पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एहतियातन आरएएफ- पीएसी तैनात किए गए। बोल बम कहने पर कांवड़िये शुभम यादव और पलटू यादव की पिटाई मामले में राजातालाब थाने की पुलिस ने मंगलवार को सात आरोपियों रानीबाजार निवासी मुनव्वर, अलाउद्दीन शेख, मो गुलजार, रिजवान, नूर हसन, मेहंदीगंज निवासी वारिश और सलामुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। एहतियातन रानीबाजार में आरएएफ, पीएसी और पुलिस तैनात की गई है। साथ ही कांवड़ियों के पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा बढ़ा दी। रानी बाजार में पुलिस गश्त कर रही है। अदलपुरा से जंसा जल चढ़ाने जा रहे शुभम यादव और पलटू यादव को सोमवार की देर शाम रानीबाजार में पीटा गया था। आरोप था कि कांवड़िये बोल बम कहते हुए जा रहे थे, इससे नाराज होकर सात लोगों ने हमला बोल दिया और पीटकर शुभम, पलटू के कपड़े फाड़ दिए। मामले में पुलिस ने दंगा भड़काने, धर्म परिवर्तन कराने का दबाव बनाने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया था। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक साक्ष्य मिलने के बाद आरोपियों को सोमवार की दोपहर गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। रानी बाजार स्थित पंचकोशी रोड के किनारे घटनास्थल के आसपास की सभी दुकानें बंद रहीं। अंदर की ओर जाने वाली गलियों में सन्नाटा पसरा था। एक क्षतिग्रस्त बाइक भी मिली जिसे पुलिस थाने ले गई है। रानीबाजार क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। डीसीपी आकाश पटेल व एसीपी अजय कुमार श्रीवास्तव ने पुलिसकर्मियों के साथ पैदल मार्च निकाला और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। विहिप कार्यकताओं ने सौंपा मांग पत्र, जांच कराने की मांग पुलिस पर विहिप और बजरंग दल के जिलाध्यक्ष राजेश पांडेय सहित अन्य कार्यकताओं से दुर्व्यवहार का आरोप जगाकर मंगलवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा गया। विहिप की तरफ से कहा गया कि डीसीपी गोमती जोन और एसीपी राजातालाब पर दुर्व्यवहार किया। अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया। विहिप कार्यकताओं ने जांच कमेटी गठित करने की मांग रखी। साथ ही कहा कि दो दिन के अंदर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कार्यकर्ता आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

चिमटा, बेलन लेकर शराब ठेके के सामने बैठीं

वाराणसी। वाराणसी के चौबेपुर स्थित कॉलोनी में शराब ठेका खोले जाने से स्थानीय लोग नाराज हैं। महिलाओं और छात्राओं के साथ पुरुषों ने भी इस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। कहा कि इस ठेके से यहां रहना दूभर हो जाएगा। चौबेपुर के बलुआघाट रोड के पास कॉलोनी में शराब ठेका खोले जाने के विरोध में महिलाओं ने चिमटा, बेलन, हंसिया लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं का कहना है कि यह ठेका पहले आबादी से दूर था, अब इसे कॉलोनी के मुख्य प्रवेश मार्ग पर स्थानांतरित किया जा रहा है। इसी रास्ते से हम सभी को बाहर निकलना होता है। स्थानीय महिला बेबी देवी ने कहा कि यह मार्ग हमारी कॉलोनी का एकमात्र सुरक्षित रास्ता है। आगे हाईवे है, जहां चलना बेहद असुरक्षित है। यदि ठेका यहां खुल गया तो हम महिलाओं का निकलना दूभर हो जाएगा। वहीं, कॉलोनी की छात्रा मानसी बरनवाल ने बताया कि ठेका उनके घर से मात्र 10 मीटर की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि हम छात्र-छात्राएं मानसिक रूप से परेशान हैं। कहा कि शराब खरीदने आने वाले लोगों का व्यवहार अक्सर आपत्तिजनक होता है। पढ़ाई में भी बाधा उत्पन्न होगी। यहां के निवासी संतोष बरनवाल ने ठेके के नियमन को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा एक बार यह ठेका नवनीकृत जरूर हुआ है लेकिन आबकारी नियमों के अनुसार शराब ठेका आबादी से कम से कम 220 मीटर की दूरी पर होना चाहिए। यह मात्र 10 मीटर की दूरी पर प्रस्तावित है। छात्राओं ने भी जताई नाराजगी प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी, आबकारी विभाग, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, अजगरा विधायक त्रिभुवन राम को ज्ञापन सौंपकर ठेका हटवाने की मांग की है। कॉलोनीवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। ग्राम प्रधान राघवेंद्र जायसवाल के आश्वासन पर महिलाओं ने धरना समाप्त किया। विरोध करने वालों में संगीता, दिक्षा, संजना चौहान, निधि, कीर्तन, विजय लक्ष्मी, मीनाक्षी, सीमा गीता, रामा, संतोष, आशीष, मानसी, अमृता, बेबी, नेहा आदि कई महिलाएं शामिल रहीं।

डिंपल यादव पर अशोभनीय टिप्पणी, भड़कीं सपा महिला सभा की सदस्य

भदोही। समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर महिला सभा ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त की। मौलाना साजिद रशीदी पर केस दर्ज करने के लिए प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी महिला सभा व अन्य संगठनों ने बुधवार को एसपी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गई अशोभनीय टिप्पणी को लेकर आक्रोशित महिला सभा की महिलाओं ने मौलाना के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग की। सपा कार्यकताओं ने एसपी अभिमन्यु मांगलिक को पत्रक सौंपा। सपा महिला सभा जिलाध्यक्ष सरिता बिंद ने कहा समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता व मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव सदैव महिला सशक्तिकरण, गरिमा और सम्मान की आवाज रही हैं। कहा कि उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर अशोभनीय, अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। यह टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सांसद का अपमान है, बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। यह बात महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नियत से की गई है।

दंपती में हुआ विवाद, 1090 पुलिस के डर से तीसरी मंजिल से कूदा पति

कानपुर। कलक्टरगंज थाना क्षेत्र में पत्नी से विवाद के बाद 1090 पुलिस के पहुंचने के डर से पति ने तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। वह सालभर पहले पत्नी को जलाने के आरोप में वांछित था, जिसमें पत्नी ने ही उसे जमानत दिलवाई थी। कानपुर में कलक्टरगंज थाना क्षेत्र के बिरहाना रोड स्थित पीली कोठी के पास मंगलवार देर रात पति-पत्नी के विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया। अपनी पत्नी रूपा से हुए झगड़े के बाद, पति अवधेश (45) ने 1090 पुलिस के पकड़े जाने के डर से तीसरी मंजिल से कूदकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, अवधेश अपनी पत्नी को सालभर पहले जलाने के आरोप में वांछित था। रूपा ने ही उसे इस मामले में जमानत दिलवाई थी, लेकिन इसके बाद दोनों के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया था। मंगलवार देर रात हुए विवाद के दौरान जब पुलिस को 1090 हेल्पलाइन के जरिए सूचना मिली। शव कब्जे में लेकर जांच में जुटी पुलिस इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तो अवधेश ने पकड़े जाने के डर से बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पत्नी और अन्य परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, हाईवे पर 200 मीटर तक फैला था शव

कानपुर। महाराजपुर में देर रात एक अज्ञात महिला की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। महिला का क्षत-विक्षत शव 200 मीटर तक फैला था। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के कुलगांव चौकी अंतर्गत वीसी मोटर्स के सामने देर रात एक अज्ञात महिला की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। लगभग 45 वर्षीय महिला का शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया और उसके शरीर के अवशेष लगभग 200 मीटर तक हाईवे पर फैले हुए थे। यह हादसा देर रात हुआ और समय पर किसी को जानकारी न मिलने के कारण शव हाईवे पर पड़ा रहा, जिसके ऊपर से दर्जनों वाहन गुजरते रहे। पुलिस को केवल दाहिना हाथ कलाई से नीचे की स्थिति में मिला, जिस पर पीपीआरएन लिखा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के बचे हुए हिस्सों को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। शव के अवशेष पोस्टमार्टम के लिए भेजे पुलिस यह जांच कर रही है कि महिला स्थानीय निवासी थी या बाहर से आई थी। इसके लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। इस घटना ने वाहन चालकों की जिम्मेदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस ने शव के अवशेष पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और मामले की जांच जारी है।

मंदबुद्धि व्यक्ति को पेड़ से बांधकर पीटने वालों पर मुकदमा दर्ज, वीडियो हुआ वायरल

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के ग्राम रूकमपुर माधोपुर में एक मंदबुद्धि एवं मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को चोर समझकर पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटने की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस अमानवीय कृत्य में शामिल ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना सोमवार को सामने आई जब पीआरवी 0196 और एसआई मांगेराम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को पेड़ से बांधकर पीटा जा रहा है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि गांव के उदयपाल सिंह पुत्र बुद्धसेन समेत कई अन्य लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति को चोर समझते हुए पेड़ की टहनी से बांधकर मारपीट की। पुलिस ने तत्काल पीड़ित व्यक्ति को मुक्त कराकर थाने पहुंचाया। पूछताछ में सामने आया कि वह व्यक्ति अपना सही नाम-पता नहीं बता पा रहा था और बार-बार बदल रहा था। जांच के बाद उसकी पहचान प्रदीप कुमार पुत्र वासुदेव निवासी कुमईया माफी, थाना खुटार, जिला शाहजहांपुर के रूप में हुई। उसकी मानसिक स्थिति असामान्य पाई गई और वह मंदबुद्धि और मानसिक रूप से असंतुलित बताया जा रहा है। पुलिस जांच में पुष्टि हुई कि गांव के लोगों ने उसे चोर समझकर बिना किसी साक्ष्य के पेड़ से बांध दिया और मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है, जिसने पूरे इलाके में आक्रोश फैला दिया। इस अमानवीय कृत्य के खिलाफ एसआई मांगेराम द्वारा उदयपाल सिंह व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से अन्य अभियुक्तों की पहचान कर रही है और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डीएम का सख्त आदेश: अधिकारी रोजाना सुबह 10 से 12 तक करें जनसुनवाई, नहीं तो होगी कार्रवाई

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। जिले में जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण और आम जनता को दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर लगाने से बचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने एक बड़ा निर्देश जारी किया है। उन्होंने जिले के सभी अपर जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार और जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और इस अवधि को जनसुनवाई के लिए आरक्षित रखें। डीएम ने स्पष्ट कहा है कि यह समय केवल जनता की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए निर्धारित किया गया है। इस दौरान कोई बैठक या अन्य कार्य नहीं किए जाएंगे। अधिकारी सिर्फ फरियादियों से मिलेंगे और उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि कई बार यह देखा गया है कि अधिकारी समय से दफ्तर नहीं पहुंचते, जिससे जनता को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई अधिकारी जनसुनवाई के समय अनुपस्थित पाया गया या शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही की, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम अविनाश सिंह ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों का समाधान समयबद्ध, प्रभावी और संतोषजनक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनता को न्याय कार्यालय में ही मिले, ताकि उन्हें इधर-उधर भटकना न पड़े। इस फैसले से जनता को राहत मिलने की उम्मीद है और सरकारी दफ्तरों में उत्तरदायित्व और पारदर्शिता बढ़ेगी।

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स-2 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। बुधवार को बिथरी चैनपुर ब्लॉक सभागार में पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स-2 के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश कुमारी के प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल, एडीओ पंचायत संजय दीक्षित, खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार सिंह एवं थानाध्यक्ष सी.पी. शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रशिक्षण सत्र में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं ग्राम पंचायत सदस्यों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डिंपल गौड़ ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर आधारित नौ प्रमुख थीमों पर विस्तार से जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर वीरेश गौड़ ने पंचायतों में अपनाई जा रही नई तकनीकों के साथ-साथ ऑनलाइन कार्यों को सुगमता से संपादित करने के व्यावहारिक गुर भी प्रतिभागियों को सिखाए। इस अवसर पर देवेन्द्र भारती, चंद्रभान सिंह, विवेक गंगवार, गजेन्द्र वर्मा, संजीव कुमार, अजीत सहित कई जनप्रतिनिधि एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कांवड़ियों की बस से हुई टक्कर के बाद तनावपूर्ण माहौल को पुलिस की सूझबूझ से टाला

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। कोतवाली थाना क्षेत्र के पटेल चौक पर मंगलवार को कांवड़ियों की डीसीएम और रोडवेज बस की टक्कर के बाद तनावपूर्ण माहौल बन गया। घटना के बाद कांवड़ियों और बस चालक के बीच कहासुनी होने लगी।

हालात बिगड़ने की आशंका थी, लेकिन मौके पर पहुंचे ट्रैफिक एसआई मोहित तोमर और स्थानीय पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ से स्थिति को संभाल लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया और बस चालक से माफी मंगवाकर विवाद को वहीं समाप्त किया। इसके बाद कांवड़ियों को सुरक्षित उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। पुलिस की सक्रियता और समझदारी से बड़ी स्थिति टल गई। घटना की जानकारी मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने ट्रैफिक एसआई मोहित तोमर सहित मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की सराहना की। उन्होंने सभी को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित करने की घोषणा की है। एसएसपी ने कहा ऐसे मौकों पर शांति बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है। हमारी टीम ने जिस संयम और तत्परता से काम किया, वह प्रशंसनीय है। इससे न केवल कानून-व्यवस्था बनी रही, बल्कि आमजन में विश्वास भी मजबूत हुआ है।

बिगड़ी बिजली व्यवस्था को लेकर प्रदर्शन, व्यापार मंडल ने दिया दस दिन का अल्टीमेटम

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। शहर में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था को लेकर व्यापार मंडल ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मुख्य अभियंता, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को एक ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि दस दिन के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो बरेली बंद जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। व्यापार मंडल का कहना है कि वर्तमान में शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। आए दिन ट्रांसफॉर्मर फुंक रहे हैं, बिजली की तारें टूट रही हैं, घंटों तक शटडाउन किया जा रहा है और कहीं से कोई सुनवाई नहीं हो रही। उपभोक्ता परेशान हैं और अधिकारी मस्त। ज्ञापन में व्यापार मंडल ने वर्टिकल व्यवस्था को पूरी तरह विफल बताया है। व्यापारियों का कहना है कि इस व्यवस्था का कोई लाभ उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा, बल्कि यह जवाबदेही समाप्त कर अराजकता को बढ़ावा दे रही है। व्यापार मंडल ने बिजली विभाग पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि ट्रांसफॉर्मरों की खरीद-फरोख्त से लेकर उनके फुटपाथों पर लगाने और अंडरग्राउंड वायरिंग तक में भारी घोटाले हो रहे हैं। साथ ही विभागीय विजिलेंस टीम पर भी लेन-देन के आरोप लगाए गए हैं। व्यापार मंडल ने चेतावनी दी है कि यदि कार्यवाही नहीं हुई तो वे आगामी दिनों में हर दिन एक-एक भ्रष्टाचार को साक्ष्यों सहित सार्वजनिक करेंगे। व्यापार मंडल ने कहा है कि यदि 10 दिनों के भीतर विभाग द्वारा संतोषजनक कार्यवाही नहीं की जाती है, तो पहले चरण में मीडिया के माध्यम से भ्रष्टाचार उजागर किया जाएगा, उसके बाद व्यापक जन आंदोलन और बाजार बंद का रास्ता अपनाया जाएगा। इस दौरान प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता, महानगर महामंत्री राजेश जसोरिया, संजीव चांदना ,दर्शन लाल भाटिया, प्रकाश आयलानी, मनमोहन सब्बरवाल, गुलशन सभरवाल, त्रिलोकी नाथ गुप्ता, विपिन गुप्ता, मुकेश अग्रवाल मथुरा, प्रवीण गोयल, शिरीष गुप्ता, ईशान सक्सेना इशू, दिलीप गुप्ता, ईशान गुप्ता, रवि अरोड़ा, अनिल गुप्ता, लकी मोगा, श्याम मिठवानी, मथुरा प्रसाद, सौरभ श्रीवास्तव, सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

शादी के बाद मिला जुल्मों का तोहफा: एक करोड़ नकद और फार्च्यूनर कार की मांग, न देने पर बहू को घर से निकाला

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में विवाहिता के साथ दहेज की मांग को लेकर मारपीट, यौन शोषण और अमानवीय व्यवहार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर एक करोड़ रुपये नकद और फार्च्यूनर कार की मांग पूरी न करने पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी 16 सितंबर 2024 को गुरुद्वारा मॉडल टाउन निवासी युवक से हुई थी। शादी के कुछ ही समय बाद पति, ससुर और सास ने दहेज के लिए उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि ससुरालवाले आए दिन ताने देते थे कि हमारे बेटे की शादी मुफ्त में करा दी गई, जबकि हमें एक करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले थे। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि विवाहिता ने अपने पति पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालने और उसका वीडियो बनाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि जब उसने इस बारे में ससुर से बात करने की कोशिश की, तो पति ने उसे धमकाया कि अगर उसके पिता की तबीयत बिगड़ी (जिनकी अक्टूबर 2024 में हार्ट सर्जरी हुई थी), तो वह उसके और उसके माता-पिता को जिम्मेदार ठहराएगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 21 जून 2025 को उसे कपड़ों में ही घर से धक्का देकर बाहर निकाल दिया गया, और कहा गया कि अगर वापस आना है तो एक करोड़ रुपये और फार्च्यूनर लेकर आना होगा। इस दौरान उसने अपने बहनोई को फोन किया तो पति ने मोबाइल छीन लिया और उनसे भी अभद्रता की व जान से मारने की धमकी दी। 25 जुलाई को मॉडल टाउन स्थित एक बुटीक पर पारिवारिक समझौते की कोशिश की गई, लेकिन वहां भी हालात नहीं सुधरे। पीड़िता के अनुसार, पति ने न सिर्फ उसके माता-पिता और ताया से अभद्रता की बल्कि मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने इस पूरे मामले की तहरीर थाना बारादरी में दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पक्षों से पूछताछ की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गृहकलेश के चलते महिला ने की आत्महत्या, मायके पक्ष ने लगाए हत्या के आरोप

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के कुरतरा गांव में मंगलवार सुबह घरेलू विवाद के चलते एक 30 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान बेबी पत्नी सूरज के रूप में हुई है। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेबी ने मंगलवार सुबह खपरैल की कड़ी से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। जब परिजनों ने उसे फंदे से लटका देखा तो घर में कोहराम मच गया। महिला के शव को नीचे उतारा गया और उसके मायके वीरपुर में सूचना दी गई। घटना के समय महिला का पति सूरज और ससुर काम पर गए हुए थे। सूचना मिलते ही वे भी मौके पर पहुंचे। महिला के मायके पक्ष ने मौके पर पहुंचकर हत्या की आशंका जताई और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, दोनों पक्षों में समझौते की कोशिशें की गईं लेकिन बात नहीं बनी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतका के दो छोटे बच्चे हैं। 6 वर्षीय बेटा अतुल और एक साल की बेटी। थाना प्रभारी सुरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मृतका के पिता मोरपाल ने ससुराल पक्ष के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक महीने से दहशत फैलाने वाले तेंदुए को वन विभाग ने पकड़ा, कई लोगों पर कर चुका था हमला

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। हाफिजगंज थाना क्षेत्र में पिछले एक महीने से आतंक का पर्याय बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग की टीम के शिकंजे में आ गया। तेंदुआ बुधवार को खेतान फैक्ट्री के पास लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। वन विभाग ने राहत की सांस ली है, जबकि इलाके के लोगों में भी डर का माहौल कम हुआ है। तेंदुए की वजह से ग्रामीणों

में भारी दहशत थी। कई लोग खेतों में काम करने से डरने लगे थे। जानकारी के मुताबिक, तेंदुआ अब तक कई लोगों पर हमला कर चुका था। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद वन विभाग ने अभियान चलाया था और पिछले एक महीने से अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए जा रहे थे। बुधवार को तेंदुआ खेतान फैक्ट्री के पास लगे एक पिंजरे में फंस गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को सुरक्षित कब्जे में लिया और आगे की कार्यवाही शुरू की। ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने के बाद राहत की सांस ली हैं। वन विभाग की टीम की मुस्तैदी से सफलता मिली। तेंदुए को जल्द ही वन क्षेत्र में शिफ्ट किया जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ भूखा था, इसी वजह से वह पिंजरे में रखे मांस की ओर आकर्षित हुआ और कैद हो गया। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अब भी सतर्क रहें और वन्यजीवों को लेकर किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल साझा करें।

नाथ नगरी के कांवरियों ने उज्जैन में बाबा महाकाल का किया जलाभिषेक

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। नाथ नगरी से निकले महाकाल बेड़ा संघ के कांवरियों ने विधि-विधान के साथ उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर अपने संकल्प को पूर्ण किया। यह पावन यात्रा 23 जुलाई को बरेली से आरंभ हुई थी, जो 25 जुलाई को मौटका घाट, ओंकारेश्वर (नर्मदा) से जल

भरने के बाद पदयात्रा करते हुए 29 जुलाई को बाबा महाकाल के दरबार तक पहुँची। इस अवसर पर महाकाल बेड़ा संघ के सेवक एवं कलाकार वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष, भाजपा महानगर मंत्री अमरीश कठेरिया एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि नाग पंचमी पर्व के शुभ अवसर पर बाबा नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट भी खुले रहे, जिसका लाभ उठाते हुए सभी कांवरियों ने दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और जन-जन के कल्याण की कामना की। कठेरिया ने बताया कि आज सभी कांवरियों ने बाबा महाकाल का जलाभिषेक कर संकल्प पूर्ण किया और बरेली सहित समस्त भारतवर्ष में अमन-चैन, शांति और सनातन धर्म की जय-जयकार हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस पावन यात्रा में अमरीश कठेरिया एडवोकेट के साथ-साथ प्रमुख रूप से सौरभ गुप्ता, सोनू बाबू, मनोज सक्सेना, राजू कश्यप, नवल किशोर काकू, पप्पू गुप्ता, महेंद्र कुमार, सोवरन सिंह मौर्य, पार्षद रचित गुप्ता, राजीव गुप्ता समेत महंत अशोक शर्मा, पंडित राधेश्याम शर्मा, पंडित ओमप्रकाश, लखनदास, बिरजू यादव, रवि गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अमित मौर्य, राहुल महेश्वरी, प्रदीप कश्यप, अमित कुमार प्रधान, संजीव कश्यप, पराग, रवि मौर्य, मनमोहन मौर्य, अयोध्या प्रसाद, कृष्णपाल, शरद कुमार, प्रमोद यादव, सर्वजीत सिंह, सोनू यादव सहित बड़ी संख्या में कांवरिए उपस्थित रहे।

शादी कर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, गैंग लीडर बख्तावर समेत चार गिरफ्तार

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली (बहेड़ी)।पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी और देह व्यापार में संलिप्त एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। कोतवाली बहेड़ी क्षेत्र में सक्रिय इस गैंग का मास्टरमाइंड बख्तावर है, जिसे तीन अन्य साथियों ताहिर, गुड्डू शरीफ और राजवीर के साथ गिरफ्तार किया गया है। गैंग विधुर और

तलाकशुदा लोगों को निशाना बनाकर शादी का झांसा देता था और लाखों रुपये ऐंठता था। इस पूरे मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पश्चिम बंगाल की एक युवती ने गैंग लीडर बख्तावर पर ठगी की शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि शिकायत करने वाली युवती भी इसी गिरोह की सक्रिय सदस्य रही है और उसने अब तक कई जगहों पर शादी कर धोखाधड़ी में भूमिका निभाई थी। रुपये के बंटवारे को लेकर हुए आपसी विवाद के चलते उसने गैंग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि इस गैंग का नेटवर्क उत्तराखंड, राजस्थान, बदायूं और बरेली तक फैला हुआ था। आरोपी युवती और उसके साथियों पर देह व्यापार के जरिए भी मोटी कमाई करने के आरोप हैं। गिरोह द्वारा उपयोग किए जा रहे फर्जी विवाह शपथपत्र और अन्य दस्तावेज भी पुलिस ने मौके से बरामद किए हैं। पुलिस ने गैंग के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और युवती के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

एक्सईएन की पत्नी ने जेई पर लगाए गंभीर आरोप, जातिसूचक गालियों और वीडियो बनाने की शिकायत दर्ज

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन शशांक भार्गव की पत्नी कविता सिंह ने विभाग के ही जूनियर इंजीनियर देवदत्त पचौरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि देवदत्त पचौरी ने उनके घर के बाहर मोबाइल से वीडियो बनाते हुए अभद्र भाषा और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। कविता सिंह ने बताया कि वह पीडब्ल्यूडी कैंपस स्थित आवास में रहती हैं। 25 जुलाई की शाम लगभग 6:30 बजे जब वह घर लौटीं, तो उन्होंने देखा कि कुछ लोग उनके घर के बाहर खड़े हैं। तभी एक व्यक्ति, जो बाद में देवदत्त पचौरी निकला, उनका वीडियो बनाने लगा और कार का शीशा नीचे करने के लिए ड्राइवर पर दबाव डाला। कविता किसी तरह घर के भीतर पहुंचीं, लेकिन आरोप है कि पीछे से उन्हें जातिसूचक गालियां दी गईं। उन्होंने तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस सहायता मांगी, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। बाद में कविता के पति और विभाग के एक्सईएन शशांक भार्गव ने पहचान की पुष्टि करते हुए बताया कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति देवदत्त पचौरी है, जो डिप्लोमा इंजीनियर संघ का नेता भी है। कविता सिंह का कहना है कि देवदत्त पचौरी विभाग में अनुशासनहीनता और असामाजिक गतिविधियों के लिए पहले से ही कुख्यात है। विभागीय अधिकारियों ने उसके तबादले की संस्तुति की थी, जिससे नाराज होकर उसने यह हरकत की है। कविता सिंह ने अपनी तहरीर में जान-माल का खतरा जताया है और सुरक्षा की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने कविता सिंह की तहरीर पर आईपीसी की संबंधित धाराओं और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है और घटनास्थल के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों ने देवदत्त पचौरी से संबंधित रिपोर्ट तलब की है।

आईसीसीसी में तैनात देवेंद्र कुमार को एसएसपी ने किया सम्मानित, प्रशस्ति पत्र देकर सराहा उत्कृष्ट कार्य

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। नगर निगम कार्यालय स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में कार्यरत देवेंद्र कुमार को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और तकनीकी दक्षता के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), बरेली द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। देवेंद्र कुमार ने सीसीटीवी कैमरों के संचालन और निगरानी में अपनी उच्चकोटि की कार्यप्रणाली से न केवल जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि घटनाओं के अनावरण में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। आईसीसीसी से जनपद के प्रमुख चौराहों, सरकारी कार्यालयों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा आदि महत्वपूर्ण स्थानों की निगरानी की जाती है, जो अपराध नियंत्रण और सुरक्षा के लिहाज से बेहद जरूरी है। एसएसपी ने देवेंद्र कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उनकी तकनीकी समझ, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और समर्पण के कारण कई मामलों में अहम सुराग हाथ लगे, जिससे घटनाओं के खुलासे में मदद मिली। देवेंद्र ने न सिर्फ कैमरा ऑपरेशन में दक्षता दिखाई, बल्कि रिकॉर्डिंग विश्लेषण द्वारा पुलिस को समय पर सटीक जानकारी भी मुहैया कराई। सम्मान पत्र प्रदान करते हुए एसएसपी ने देवेंद्र कुमार को शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि वे भविष्य में भी इसी तरह सजगता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते रहेंगे। इस सम्मान से आईसीसीसी के अन्य कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन मिला है।

पुलिस से मुठभेड़ में दो लुटेरे गिरफ्तार, एक सिपाही घायल, दो बदमाश फरार

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। फरीदपुर पुलिस ने मंगलवार की देर रात मुठभेड़ के दौरान दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही मेघश्याम घायल हो गया, जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान लालाराम निवासी ग्राम जसौली दिवाली, थाना बीसलपुर, पीलीभीत और सरताज निवासी ग्राम परेवा कुईंया, थाना भुता, बरेली के रूप में हुई है। फरीदपुर थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि पुलिस टीम मंगलवार की देर रात नियमित गश्त पर थी, तभी सूचना मिली कि बिथरी चैनपुर क्षेत्र से लूटी गई मोटरसाइकिल और 19 जुलाई को इनायतपुर नहर से चोरी हुई बाइक के संदिग्ध रहपुरा नहर किनारे गौसगंज हाईवे की ओर जाने वाले रास्ते पर खड़े हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची और पूछताछ करने लगी, तभी बदमाशों ने पुलिस पर जानलेवा फायरिंग कर दी। इस हमले में सिपाही मेघश्याम घायल हो गया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें लालाराम के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। मौके से लालाराम और सरताज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस में उनके कब्जे से दो तमंचे और कारतूस, दो मोटरसाइकिल (एक चोरी और एक लूट की) बरामद की है। वही, लालाराम के खिलाफ 13 आपराधिक मुकदमे, सरताज पर 3 मुकदमे दर्ज है। दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। घायल सिपाही और बदमाश का इलाज कराया जा रहा है। फरीदपुर पुलिस इस मुठभेड़ को बड़ी सफलता मान रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिशें दी जा रही हैं।

भाजपा सरकार केवल जनता को गुमराह कर रही है: किरनपाल कश्यप

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, एम.एल.सी. एवं पूर्व मंत्री किरनपाल कश्यप का आज शाम 7:00 बजे बरेली सर्किट हाउस पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत की अगुवाई जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने की। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए किरनपाल कश्यप ने कहा कि हमारा मिशन पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को मजबूत करना है। भाजपा सरकार केवल झूठ, पाखंड और भ्रम फैलाकर

जनता को गुमराह कर रही है और लूट की राजनीति कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि आपसी गिले-शिकवे भुलाकर संगठन को मजबूत करें और 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य को पूरा करें। इस मौके पर पार्टी के कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें जिलाउपाध्यक्ष रविन्द्र यादव, मोहम्मद मुस्ताक, जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव, अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर, महानगर उपाध्यक्ष दिनेश यादव, सूरज यादव, जिला सचिव द्रोण कश्यप, बृजेश सविता, विशाल कश्यप, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष अनिल पटेल, संजीव कश्यप, नवीन कश्यप, नीटू कश्यप, मोहित कश्यप, आदित्य कश्यप, सनी कश्यप, सम्राट अनुज मौर्य, शिवम राज कश्यप, बिक्रम कश्यप आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में एकजुटता और आगामी चुनावों को लेकर रणनीति पर भी चर्चा की गई।

तेल चुपड़े चोरों ने मचाई इलाके में दहशत, दुर्गा नगर में आधी रात घूमते पकड़े गए बदमाश

जब चोर फिसलकर भाग निकले, तब 112 नंबर पर दी सूचना, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ली सेल्फी

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र के दुर्गा नगर में मंगलवार आधी रात को कुछ संदिग्ध चोरों की घुसपैठ से इलाके में हड़कंप मच गया। चोरों को कॉलोनी में टोह लेते देख स्थानीय लोगों ने जब उन्हें दबोचने की कोशिश की, तो वे शरीर पर चुपड़े तेल की वजह से फिसलते हुए फरार हो गए। लोगों ने इस घटना की सूचना तुरंत 112 पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने भी खानापूर्ति कर वहां से चली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना मंगलवार देर रात लगभग 1 बजे की है जब कॉलोनीवासियों को गश्त करते वक्त इन चोरों की हरकतों पर शक हुआ। जैसे ही उन्होंने घेराबंदी की, चोरों ने भागने का प्रयास किया। लोगों द्वारा एक युवक को दबोच भी लिया गया लेकिन उसके शरीर पर इतना तेल लगा था कि वो झटके से फिसलकर निकल गया। इस घटना की सूचना तुरंत 112 नंबर पर दी गई। कुछ ही मिनटों में पीआरवी वाहन मौके पर पहुंचा। लेकिन कॉलोनीवासियों का आरोप है कि पुलिस ने न तो इलाके की ठीक से तलाशी ली और न ही संदिग्धों की तलाश की। उल्टे मंदिर के पास खड़े होकर एक फोटो ली और रवाना हो गई जैसे औपचारिकता निभाने आई हो। घटना के बाद से दुर्गा नगर इलाके में दहशत का माहौल है। लोग रात में जाग जाग कर खुद निगरानी करने पर मजबूर हैं। स्थानीय निवासी देवेंद्र ने कहा है कि अब तो चोर भी प्रोफेशनल हो गए हैं। तेल लगाकर भागने की तकनीक अपना ली है और पुलिस सिर्फ तमाशा देख रही है। लोगों ने बताया है कि इससे पहले भी इस तरह से चोरी की घटना सामने आई हैं, तेल चोर पहले भी कई जिलों में सक्रिय रहे हैं। वे अपने शरीर पर सरसों या नारियल तेल की मोटी परत लगाकर आते हैं जिससे पकड़ना मुश्किल होता है। यह एक सोची-समझी आपराधिक रणनीति है।

शूटिंग चैंपियनशिप में बरेली के विराट को कांस्य पदक, यूपी स्टेट के लिए किया क्वालीफाई

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। दिल्ली स्थित डॉ. करनी सिंह शूटिंग रेंज में 24 से 27 जुलाई तक आयोजित यूपी प्री-स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में बरेली के विराट नाथ चौबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्ले पिजन ट्रैप व डबल ट्रैप प्रतियोगिता की अंडर-21 वर्ष श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने आगामी अगस्त में होने वाली यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता के लिए बरेली से क्वालीफाई भी कर लिया है। विराट नाथ चौबे जी.आर.एम. बरेली से युवा खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह उभरकर आना खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाला है। विराट ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

उर्स-ए-रजवी की तैयारियाँ तेज, जमात रजा-ए-मुस्तफा ने नगर आयुक्त से की बैठक

जागेश्वर न्यूज नेटवर्क

बरेली। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी के 107वें तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी की तैयारियाँ जोर पकड़ रही हैं। 18, 19 और 20 अगस्त को होने वाले इस ऐतिहासिक उर्स में लाखों की संख्या में जायरीनों के पहुंचने की संभावना है। आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए दरगाह से जुड़े संगठन जमात रजा-ए-मुस्तफा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को नगर आयुक्त के साथ बैठक की। बैठक में नगर निगम से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे शौचालयों की व्यवस्था, वुजू के लिए पानी की टंकियां, लंगर स्थलों पर पेयजल, सड़कों की मरम्मत,

नालियों की सफाई और कूड़ा निस्तारण आदि को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उर्स कोर कमेटी के सदस्य शमीम अहमद ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए नगर निगम की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वहीं, मोइन खान ने दरगाह शरीफ से लेकर उर्स स्थल तक की सड़कों की मरम्मत, मैदान की सफाई और कूड़ेदानों की व्यवस्था पर भी जोर दिया। नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि सभी तैयारियाँ समय से पहले पूरी कर ली जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उर्स के कार्यक्रम काजी-ए-हिंदुस्तान मुफ्ती मोहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में और जमात रजा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान मियां की अध्यक्षता में दरगाह शरीफ और सीबीगंज स्थित मदरस जामियातुर रजा में संपन्न होंगे। बैठक में अब्दुल्लाह रजा खान, समरान खान, हाफिज इकराम, डॉ. मेहंदी हसन, यासीन खान, कौसर अली, शाहिउद्दीन रजवी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए।

दैनिक जागेश्वर न्यूज टाइटल कोड UPHIN/44847 स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक मयंक गुप्ता द्वारा ए.एच. प्रिंटर्स असालतपुर, पुलिया सीधी सराय, मुरादाबाद से मुद्रित एवं जागेश्वर न्यूज कार्यालय निकट रुद्राक्ष अपार्टमेंट दोहरा रोड, बरेली (यूपी) से प्रकाशित। संपादक : मयंक गुप्ता फोन 05813559578, 9411089109 ई-मेल jageshwarnewsbareilly@gmail.com समस्त विवाद बरेली न्यायालय के अधीन होंगे।